e-paper
सांध्य संस्करण
वर्ष : 1, अंक : 16, पृष्ठ : 2
सोमवार, 14 सितंबर, 2026

अमृत उजाला
Digital News Paper

Scan to Read in Details

amritujala.com
उत्तर प्रदेश ● देश ● दुनिया ● व्यापार ● मनोरंजन ● लखनऊ

मणिपुर में चार लोगों की हत्या से बढ़ा तनाव

कुकी-जो काउंसिल ने दी बड़े संघर्ष की चेतावनी

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर में हिंसा का दौर एक बार फिर चिंता बढ़ा रहा है। तमेंगलोंग और नोनी जिलों में अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की हत्या के बाद तनाव बढ़ गया है। मृतकों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। घटनाओं के बाद कुकी-जो काउंसिल ने सशस्त्र समूहों की गतिविधियों पर गंभीर चिंता जताते हुए चेतावनी दी है कि यदि हिंसा नहीं रुकी तो राज्य एक बार फिर बड़े पैमाने के संघर्ष की चपेट में आ सकता है। रविवार को टोलन और लोंगपी गांवों में संदिग्ध सशस्त्र हमलावरों ने हमला किया। इन घटनाओं में चार नागरिकों की जान चली गई। हमले ऐसे समय हुए जब कुकी समुदाय 13 सितंबर को 'ब्लैक डे' के रूप में मना रहा था। यह दिन 1990 के दशक के कुकी-

नगा संघर्ष में मारे गए लोगों की याद में मनाया जाता है। मणिपुर में मई 2023 में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुआ जातीय संघर्ष अब भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इस हिंसा में अब तक कम से कम 306 लोगों की मौत और 49 लोगों के लापता होने की जानकारी सामने आई है, जबकि बड़ी संख्या में लोग विस्थापित हुए हैं। ताजा घटनाओं ने एक बार फिर मणिपुर में शांति प्रक्रिया और आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। राज्य सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि हिंसा की किसी घटना को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने की कोशिशों में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

कुकी-जो काउंसिल ने जताई गंभीर चिंता

कुकी-जो काउंसिल ने हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि सशस्त्र समूहों की लगातार गतिविधियां आम नागरिकों के लिए खतरा बन रही हैं। परिषद का दावा है कि 2026 की शुरुआत से अब तक कथित नगा सशस्त्र समूहों की गतिविधियों में 22 से अधिक कुकी-जो लोगों की जान जा चुकी है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। परिषद ने केंद्र सरकार से सशस्त्र संगठनों के खिलाफ निर्णायक कदम उठाने की मांग की है। उसका कहना है कि हिंसा पर तत्काल अंकुश नहीं लगाया गया तो हालात फिर व्यापक संघर्ष की ओर जा सकते हैं।

विधायकों ने भी की हमले की निंदा

कुकी समुदाय से जुड़े विधायकों ने भी हत्याओं की कड़ी निंदा की है। उन्होंने सुरक्षा बलों से हमले के जिम्मेदार लोगों की पहचान कर कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने की अपील की। वहीं, स्थानीय स्तर पर भी शांति और संयम बनाए रखने की अपील की गई है। काइमाई नगा विलेज अथॉरिटी ने घटना की निंदा करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि ऐसी घटनाएं समुदायों के बीच अविश्वास और तनाव को बढ़ा सकती हैं।

कॉकरोच आंदोलन के बाद पहले चुनाव में बीजेपी की बढ़त, कांग्रेस-आप के लिए क्या संकेत?

एजेंसी

जयपुर। राजस्थान के शहरी निकाय चुनावों के नतीजों ने सियासी तस्वीर काफी हद तक साफ कर दी है। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और जेन-जी के आंदोलन के बाद हुए इस पहले बड़े चुनाव में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने मजबूत प्रदर्शन किया है। शुरुआती और उपलब्ध नतीजों में भाजपा कई शहरी निकायों में बढ़त बनाती नजर आ रही है। कुल 1,707 निकाय सीटों के सामने आए नतीजों में भाजपा ने 708 सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को 613 सीटें मिलीं। निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी 386 सीटों पर जीत हासिल की है। इससे साफ है कि कई जगहों पर स्थानीय समीकरणों में निर्दलीय उम्मीदवार निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। राजस्थान की शहरी राजनीति में भाजपा की मजबूत पकड़ एक बार फिर दिखाई दी है। जयपुर समेत कई

बड़े शहरों में पार्टी का प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। जयपुर नगर निगम में भाजपा ने 150 में से 95 वार्डों पर जीत हासिल कर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया, जबकि कांग्रेस 43 वार्डों में सिमट गई। यह परिणाम मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश भाजपा संगठन के लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 2028 के विधानसभा चुनाव से पहले शहरी क्षेत्रों में यह प्रदर्शन भाजपा के लिए राजनीतिक मजबूती का संदेश देता है। कांग्रेस ने कई इलाकों में अच्छा प्रदर्शन जरूर किया है और अजमेर, जोधपुर, बीकानेर तथा कुछ अन्य क्षेत्रों में पार्टी ने भाजपा को कड़ी टक्कर दी है। लेकिन कुल सीटों के आंकड़े भाजपा के पक्ष में हैं।

आंदोलन का कितना असर?

चुनाव से पहले शिक्षा व्यवस्था, भर्ती परीक्षाओं और अन्य मुद्दों को लेकर सीजेपी तथा जेन-जी के आंदोलन ने राजस्थान में भी राजनीतिक माहौल को प्रभावित किया था। हालांकि निकाय चुनावों के अब तक के नतीजों से ऐसा नहीं दिखता कि यह असंतोष बड़े पैमाने पर भाजपा के खिलाफ वोट में तब्दील हुआ है। कुल मिलाकर, राजस्थान निकाय चुनाव के नतीजे भाजपा के लिए राहत और कांग्रेस के लिए आत्ममंथन का संकेत हैं। हालांकि कई निकायों में निर्दलीय उम्मीदवारों की मजबूत मौजूदगी के कारण अंतिम सत्ता समीकरण अभी पूरी तरह साफ नहीं हुए हैं।

राजनीतिक विश्लेषण में भाजपा के मजबूत संगठन और शहरी क्षेत्रों में उसकी पकड़ को इस प्रदर्शन की बड़ी वजह माना जा रहा है।

यूपी विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियां तेज

33 जिलों के अफसरों की आज कार्यशाला, ईवीएम और वीवीपैट पर फोकस

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव से पहले ईवीएम और वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग (एफएलसी) को लेकर अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार, 14 सितंबर को लखनऊ में 33 जिलों के अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। लखनऊ स्थित डॉ. राम मनोहर लोहिया प्रशिक्षण एवं प्रबंध अकादमी में होने वाली कार्यशाला में 33 जिलों के जिला निर्वाचन अधिकारी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी और एफएलसी सुपरवाइजर हिस्सा लेंगे। अधिकारियों को ईवीएम-वीवीपैट की जांच से जुड़ी तकनीकी और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इससे पहले गौतमबुद्ध नगर में आयोजित कार्यशाला में 21 जिलों और वाराणसी में हुई कार्यशाला में 21 जिलों के अधिकारियों को प्रशिक्षण

दिया जा चुका है। इस तरह अब तक 42 जिलों के संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा के मुताबिक, एफएलसी प्रक्रिया का उद्देश्य चुनाव में इस्तेमाल होने वाली ईवीएम और वीवीपैट मशीनों की जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करना है। आयोग इस पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और एकरूपता बनाए रखने पर जोर दे रहा है।

वाराणसी में भी हो चुकी है अहम कार्यशाला

इससे पहले 11 सितंबर को वाराणसी में पूर्वी उत्तर प्रदेश के छह मंडलों के 21 जिलों के अधिकारियों के लिए कार्यशाला आयोजित की गई थी। इसमें ईवीएम और वीवीपैट की एफएलसी, तकनीकी प्रक्रियाओं, सुरक्षा और प्रशासनिक तैयारियों से जुड़े दिशा-निर्देश दिए गए थे। आयोग की इन तैयारियों से साफ है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की चुनावी मशीनरी को जमीनी स्तर पर सक्रिय करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आने वाले दिनों में मतदाता सूची, मतदान केंद्रों, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य चुनावी तैयारियों से जुड़े काम भी गति पकड़ सकते हैं।

राजनीतिक दलों को भी दी जाएगी जानकारी

ईवीएम और वीवीपैट की फर्स्ट लेवल चेकिंग के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी प्रत्येक चरण की जानकारी दी जाएगी। आयोग के निर्देशों के मुताबिक जिला स्तर पर FLC की प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से पूरा किया जाएगा।

बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली की संपत्ति पर विवाद गहराया, छह पोतियों ने जताया हक

फिरोजाबाद। प्रसिद्ध संत बाबा नीब करौरी महाराज की जन्मस्थली और पैतृक संपत्ति को लेकर विवाद अब प्रशासनिक स्तर तक पहुंच गया है। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले के टूंडला क्षेत्र स्थित अकबरपुर गांव में बाबा के पैतृक मकान, मंदिर और उससे जुड़ी जमीन के अधिकार को लेकर परिवार और श्री ठाकुर हनुमानजी ट्रस्ट के बीच दावे-प्रतिदावे सामने आए हैं। बाबा नीब करौरी के छोटे बेटे धर्म नारायण शर्मा की छह बेटियों ने संपत्ति पर अपना दावा जताते हुए जिलाधिकारी से मामले की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि पैतृक संपत्ति को न तो बेचा गया और न ही ट्रस्ट को दान किया गया। परिवार ने संपत्ति से जुड़े राजस्व रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेजों की जांच की मांग की है। अकबरपुर गांव में स्थित यह संपत्ति बाबा नीब करौरी की जन्मस्थली मानी जाती है। परिवार के अनुसार, पैतृक मकान में बाबा और उनकी पत्नी की पूजा स्थली भी है। छह पोतियों का आरोप है कि ट्रस्ट की ओर से संपत्ति के प्रबंधन और इस्तेमाल में दखल दिया जा रहा है।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

14 आईएएस और 34 पीसीएस अफसरों के तबादले, कई जिलों के सीडीओ बदले

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रविवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। योगी सरकार ने एक साथ 14 आईएएस और 34 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इस बदलाव में कई जिलों के मुख्य विकास अधिकारी सीडीओ), अपर आयुक्त और शासन स्तर के अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

सहारनपुर के सीडीओ बदले: सहारनपुर के मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन को उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन का मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बनाया गया है। उनकी जगह राज्यकर विभाग में अपर आयुक्त रहे डॉ. सुनील कुमार वर्मा को सहारनपुर का नया सीडीओ नियुक्त किया गया है।

लखीमपुर खीरी और अंबेडकरनगर में भी बदलाव

लखीमपुर खीरी के सीडीओ अभिषेक कुमार को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में विशेष सचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं अयोध्या के अपर जिलाधिकारी (नगर) योगानंद पांडेय को लखीमपुर खीरी का नया सीडीओ बनाया गया है। अंबेडकरनगर के सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला को विशेष सचिव एवं निदेशक रेशम की जिम्मेदारी दी गई है। कुशीनगर के अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) वैभव मिश्रा अब अंबेडकरनगर के नए सीडीओ होंगे।

शासन स्तर पर भी बदली जिम्मेदारियां

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के विशेष सचिव राहुल सिंह को लोक निर्माण विभाग (PWD) का विशेष सचिव बनाया गया है। वहीं लखीमपुर खीरी के सीडीओ रहे अभिषेक कुमार को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में नई जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा राजस्व परिषद प्रयागराज के सदस्य (न्यायिक) साहब सिंह को सचिवालय प्रशासन विभाग में सचिव बनाया गया है। विंध्याचल मंडल के अपर आयुक्त डॉ. विश्राम और रेशम विभाग के विशेष सचिव एवं निदेशक देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा को राजस्व परिषद प्रयागराज में सदस्य (न्यायिक) नियुक्त किया गया है।

34 पीसीएस अधिकारियों के भी तबादले

आईएएस अधिकारियों के साथ ही 34 पीसीएस अधिकारियों की तैनाती में भी बदलाव किया गया है। इनमें अपर जिलाधिकारी, अपर नगर आयुक्त, एसडीएम और अन्य महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर तैनात अधिकारी शामिल हैं। कई जिलों और मंडलों में नई तैनाती से स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस बड़े फेरबदल के बाद अब नई जिम्मेदारी पाने वाले अधिकारियों के सामने अपने-अपने विभाग और जिलों में प्रशासनिक कामकाज को गति देने की चुनौती होगी। खास तौर पर जिन जिलों में सीडीओ बदले गए हैं, वहां विकास योजनाओं और सरकारी कार्यक्रमों की निगरानी की जिम्मेदारी नए अधिकारियों के हाथों में होगी।

दिशा सालियन डेथ केस: सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर, अब नए सिरे से होगी जांच

एजेंसी

मुंबई। सेलिब्रिटी मैनेजर दिशा सालियन की मौत के मामले में करीब छह साल बाद बड़ा मोड़ आया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच अपने हाथ में ले ली है। यह कार्रवाई बॉम्बे हाईकोर्ट के उस निर्देश के बाद हुई है, जिसमें मामले की नए सिरे से जांच सीबीआईको सौंपने का आदेश दिया गया था। दिशा सालियन की 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक इमारत से गिरने के बाद मौत हुई थी। उस समय मुंबई पुलिस ने इसे Accidental Death Report (ADR) के तौर पर दर्ज किया था। बाद में दिशा के पिता सतीश सालियन ने उनकी मौत की परिस्थितियों पर सवाल उठाते हुए जांच की मांग की थी। दिशा के पिता ने हाल में सीबीआई के सामने अपना बयान दर्ज कराया था। उन्होंने जांच अधिकारियों को मामले से जुड़े कई लोगों के नाम और घटनाक्रम से संबंधित जानकारी देने की बात कही

थी। हालांकि, किसी व्यक्ति की भूमिका या आरोपों की पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी।

सीबीआई ने अब औपचारिक रूप से एफआईआर दर्ज कर ली है और मामले की जांच आगे बढ़ेगी। एजेंसी पहले ही मुंबई पुलिस से पुराने मामले से जुड़े दस्तावेज हासिल कर रही थी। अब जांच में घटनास्थल, उपलब्ध रिकॉर्ड, गवाहों और पहले हुई जांच से जुड़े पहलुओं की दोबारा पड़ताल की जा सकती है। दिशा सालियन की मौत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से कुछ दिन पहले हुई थी, जिसके कारण यह मामला लंबे समय से चर्चा में रहा है।

हाईकोर्ट ने पुलिस की जांच पर उठाए थे सवाल

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मामले की सुनवाई के दौरान इस बात पर सवाल उठाया था कि परिवार की ओर से संदेह जताए जाने के बावजूद पुलिस ने एफआईआर क्यों दर्ज नहीं की। अदालत ने छह साल तक एफआईआर दर्ज नहीं होने और जांच की प्रक्रिया पर भी चिंता जताई थी। इसके बाद सीबीआई को मामले की जांच सौंपने का रास्ता साफ हुआ।

थलपति विजय के मोर्चे में दरार? उपचुनाव में वाम दलों ने बनाई दूरी

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री और अभिनेता थलपति विजय की पार्टी तमिझगा वेत्री कझगम (TVK) को उपचुनाव से पहले बड़ा झटका लगा है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) और CPI(M) ने आगामी विधानसभा उपचुनाव में TVK के साथ चुनावी गठबंधन से दूरी बनाते हुए अलग-अलग सीटों पर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। हालांकि, इसे विजय सरकार से

समर्थन वापसी के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। दोनों वाम दलों ने स्पष्ट किया है कि वे सरकार को बाहर से अपना समर्थन जारी रखेंगे। तमिलनाडु की मदुरंथकम और धारापुरम विधानसभा सीटों पर 6 अक्टूबर को उपचुनाव होना है। CPI ने धारापुरम से चुनाव लड़ने का फैसला किया है, जबकि CPI(M) मदुरंथकम सीट से अपना उम्मीदवार उतारेगी। दोनों दलों के उम्मीदवारों की घोषणा 15 सितंबर को किए जाने की बात कही गई है। इससे इन दोनों सीटों पर मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। TVK के अलावा DMK, AIADMK और नाम तमिलर काची भी चुनावी मैदान में हैं।

विजय सरकार को समर्थन, लेकिन गठबंधन से दूरी

वाम दलों का रुख दिलचस्प है। CPI और CPI(M) ने TVK सरकार को बाहर से समर्थन देने का फैसला बरकरार रखा है। उनका कहना है कि यह समर्थन मुख्य रूप से भाजपा को सत्ता में आने से रोकने की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। लेकिन दोनों पार्टियां खुद को TVK के औपचारिक चुनावी गठबंधन का हिस्सा नहीं मानतीं। हाल में TVK की गठबंधन बैठक से भी CPI और CPI(M) ने दूरी बनाई थी।

TVK के लिए क्यों अहम है उपचुनाव?

ये उपचुनाव विजय सरकार के गठन के बाद उसकी पहली बड़ी चुनावी परीक्षा हैं। TVK ने मदुरंथकम और धारापुरम दोनों सीटों पर पूर्व AIADMK विधायकों को उम्मीदवार बनाया है। दोनों विधायक पहले AIADMK के टिकट पर जीते थे और बाद में TVK में शामिल हो गए थे। ऐसे में इन दोनों सीटों पर जीत TVK के लिए सरकार और विजय के नेतृत्व पर जनता के भरोसे का बड़ा संकेत मानी जाएगी।

क्या वाम दलों की दूरी चिंता का कारण?

फिलहाल इसे विजय सरकार के लिए सीधा संकट कहना जल्दबाजी होगी, क्योंकि CPI और CPI(M) ने समर्थन वापस लेने से इनकार किया है। लेकिन उपचुनाव में अलग रास्ता अपनाने का फैसला यह जरूर बताता है कि वाम दल सरकार का समर्थन और चुनावी गठबंधन–दोनों को अलग-अलग रखना चाहते हैं। अब निगाहें 6 अक्टूबर के मतदान और 9 अक्टूबर को आने वाले नतीजों पर हैं। इन परिणामों से यह भी पता चलेगा कि विजय की TVK सरकार को जनता के बीच शुरुआती राजनीतिक समर्थन कितना मिला है।

डिजिटल प्रभाव.....

हरितालिका तीज: अहिवात के लिए प्रकृति में तप का पर्व

हरतालिका तीज का व्रत सनातन संस्कृति में सबसे बड़ा व्रत तप माना जाता है। यह तीज का त्यौहार भादो की शुक्ल तीज को मनाया जाता है। यह आमतौर पर अगस्त-सितम्बर महीने में ही आती है। इसे गौरी तृतीया व्रत भी कहते हैं। यह वस्तुतः अखंड अहिवात के लिए किया जाने वाला सबसे बड़ा प्रकृति पर्व है जिसमे तप महत्वपूर्ण है। आज यह तप पर्व मनाया जा रहा है। हरियाली तीज, कजरी तीज और करवा चौथ की तरह ही हरतालिका तीज भी सुहागिनों का व्रत होता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखती हैं और भगवान शिव और पार्वती से सदा सुहागन का आर्शीवाद मांगती हैं. इस व्रत को निराहार और निर्जला रखा जाता है। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को प्राप्त करने के लिए किया था। इसलिए यह कहा जाता है कि माता पार्वती की तरह अच्छा वर प्राप्त करने के लिए कुंवारी कन्याएं भी इस व्रत को रख सकती हैं। हरतालिका तीज खासतौर पर महिलाओं द्वारा यह त्यौहार मनाया जाता हैं। कम उम्र की लड़कियों के लिए भी यह हरतालिका का व्रत श्रेष्ठ समझा गया है। हरतालिका तीज में भगवान शिव, माता गौरी एवम गणेश जी की पूजा का महत्व है। यह व्रत निराहार एवं निर्जला किया जाता है और रत जगा कर नाच गाने के साथ इस व्रत को किया जाता है।

अलियों ने जब हर लिया गौरी को: माता गौरी के पार्वती रूप में वे शिव जी को पति रूप में चाहती थी जिस के लिए उन्होंने कठिन तपस्या की थी उस वक्त पार्वती की सहेलियों ने उन्हें अगवा कर लिया था। इस करण इस व्रत को हरतालिका कहा गया हैं क्यूंकि हरत मतलब अगवा करना एवम आलिका मतलब सहेली अर्थात सहेलियों द्वारा अपहरण करना हरतालिका कहलाता हैं।

व्रत से जुड़ी कई मान्यताएं: हरतालिका व्रत से जुड़ी कई मान्यता हैं, जिनमें इस व्रत के दौरान जो सोती हैं, वो अगले जन्म में अजगर बनती हैं, जो दूध पीती हैं, वो सर्पिनी बनती हैं, जो व्रत नहीं करतीं वो विधवा बनती हैं, जो शक्कर खाती हैं मक्खी बनती हैं, जो मांस खाती हैं वो शेरनी बनती हैं, जो जल पीती हैं वो मछली बनती हैं, जो अन्न खाती हैं वो सुअरी बनती हैं जो फल खाती हैं वो बकरी बनती हैं।

हरतालिका तीज नियम: हरतालिका व्रत निर्जला किया जाता हैं, अर्थात पूरा दिन एवं रात अगले सूर्योदय तक जल ग्रहण नहीं किया जाता। हरतालिका व्रत कुवांरी कन्या, सौभाग्यवती महिलाओं द्वारा किया जाता है। इसे विधवा महिलायें भी कर सकती हैं। हरतालिका व्रत का नियम हैं कि इसे एक बार प्रारंभ करने के बाद छोड़ा नहीं जा सकता। इसे प्रति वर्ष पूरे नियमों के साथ किया जाता है। हरतालिका व्रत के दिन रतजगा किया जाता है। पूरी रात महिलायें एकत्र होकर नाच गाना एवम भजन करती हैं। नये वस्त्र पहनकर पूरा श्रृंगार करती हैं। हरतालिका व्रत जिस घर में भी होता हैं, वहां इस पूजा का खंडन नहीं किया जा सकता अर्थात इसे एक परम्परा के रूप में प्रति वर्ष किया जाता हैं।

हरतालिका तीज पूजन विधि : हरतालिका पूजन प्रदोष काल में किया जाता हैं। प्रदोष काल अर्थात दिन रात के मिलने का समय। हरतालिका पूजन के लिए शिव, पार्वती एवं गणेश जी की प्रतिमा बालू रेत अथवा काली मिटटी से हाथों से बनाई जाती हैं। फुलेरा बनाकर उसे सजाया जाता हैं। उसके भीतर रंगोली डालकर उस पर पटा अथवा चौकी रखी जाती हैं। चौकी पर एक सातिया बनाकर उस पर थाल रखते हैं, उस थाल में केले के पत्ते को रखते हैं। तीनो प्रतिमा को केले के पत्ते पर आसीत किया जाता हैं। सर्वप्रथम कलश बनाया जाता हैं जिसमे एक लौटा अथवा घड़ा लेते हैं। उसके उपर श्रीफल रखते हैं अथवा एक दीपक जलाकर रखते हैं। घड़े के मुंह पर लाल नाडा बांधते हैं। घड़े पर सातिया बनाकर उर पर अक्षत चढ़ाया जाता हैं। कलश का पूजन किया जाता हैं। सबसे पहले जल चढ़ाते हैं, नाडा बांधते हैं और कुमकुम, हल्दी चावल चढ़ाते हैं फिर पुष्प चढ़ाते हैं। कलश के बाद गणेश जी की पूजा की जाती हैं।उसके बाद शिव जी की पूजा जी जाती हैं। उसके बाद माता गौरी की पूजा की जाती हैं। उन्हें सम्पूर्ण श्रृंगार चढ़ाया जाता हैं। इसके बाद हरतालिका की कथा पढ़ी जाती हैं। फिर सभी मिलकर आरती की जाती हैं जिसमे सर्प्रथम गणेश जी की आरती फिर शिव जी की आरती फिर माता गौरी की आरती की जाती हैं। पूजा के बाद भगवान् की परिक्रमा की जाती हैं। रात भर जागकर पांच पूजा एवं आरती की जाती हैं। सुबह आखरी पूजा के बाद माता गौरा को जो सिंदूर चढ़ाया जाता हैं, उस सिंदूर से सुहागन स्त्री सुहाग लेती हैं। ककड़ी एवं हलवे का भोग लगाया जाता हैं। उसी ककड़ी को खाकर उपवास तोड़ा जाता हैं। अंत में सभी सामग्री को एकत्र कर पवित्र नदी एवं कुण्ड में विसर्जित किया जाता हैं।

पूजन समाग्री: फुलेरा विशेष प्रकार से फूलों से सजा होता, गीली काली मिटटी अथवा बालू रेत, केले का पत्ता, सभी प्रकार के फल एवं फूल पत्ते, बैल पत्र, शमी पत्र, धतूरे का फल एवं फूल, अकाँव का फूल, तुलसी, मंजरी, जनैव, नाडा, वस्त्र, माता गौरी के लिए पूरा सुहाग का सामान जिसमे चूड़ी, बिछिया, काजल, बिंदी, कुमकुम, सिंदूर, कंघी, माहौर, मेहँदी आदि मान्यतानुसार एकत्र की जाती हैं। इसके अलावा बाजारों में सुहाग पुड़ा मिलता हैं जिसमे सभी सामग्री होती हैं। घी, तेल, दीपक, कपूर, कुमकुम, सिंदूर, अबीर, चन्दन, श्री फल, कलश। अमृत-घी, दही, शक्कर, दूध, शहद ।

हरतालिका तीज व्रत कथा: शिव जी ने माता पार्वती को विस्तार से इस व्रत का महत्व समझाया है । माता गौरा ने सती होने के बाद हिमालय के घर पार्वती के रूप में जन्म लिया। बचपन से ही पार्वती भगवान शिव को वर के रूप में चाहती थी, जिसके लिए पार्वती जी ने कठोर तप किया। उन्होंने कड़कती ठण्ड में पानी में खड़े रहकर, गर्मी में यज्ञ के सामने बैठकर यज्ञ किया। बारिश में जल में रहकर कठोर तपस्या भी की। बारह वर्षो तक निराहार पत्तों को खाकर पार्वती जी ने व्रत किया। उनकी इस निष्ठा से प्रभावित होकर भगवान् विष्णु ने हिमालय से पार्वती जी का हाथ विवाह हेतु मांगा। जिससे हिमालय बहुत प्रसन्न हुए और पार्वती को विवाह की बात बताई, जिससे पार्वती दुखी हो गई और अपनी व्यथा सखी से कही और जीवन त्याग देने की बात कहने लगी। जिस पर सखी ने कहा यह वक्त ऐसी सोच का नहीं हैं और सखी पार्वती को हरकर वन में ले गई। जहां पार्वती ने छिपकर तपस्या की। जहां पार्वती को शिव ने आशीवाद दिया और पति रूप में मिलने का वर दिया। हिमालय ने बहुत खोजा पर पार्वती ना मिली। बहुत वक्त बाद जब पार्वती मिली तब हिमालय ने इस दुःख एवं तपस्या का कारण पूछा तब पार्वती ने अपने दिल की बात पिता से कही, इसके बाद पुत्री हठ के करण पिता हिमालय ने पार्वती का विवाह शिव जी से तय किया। इस प्रकार से सती अर्थात पारवती जी को शिव जी पुनः सुहाग के रूप में प्राप्त हुए।

आचार्य संजय तिवारी

लोकायुक्त संस्थाओं में जनविश्वास जरूरी, शिकायतों का हो निष्पक्ष और समयबद्ध निस्तारण: मुख्यमंत्री

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी लोक सेवक गलत करता है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। कई बार व्यक्ति को ताकत मिलने पर वह उच्छृंखल और उद्दंड व्यवहार करने लगता है। उन्होंने रामचरितमानस की पंक्ति 'प्रभुता पाई काहि मद नाहीं' का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे में कहीं न कहीं अंकुश होना आवश्यक है, जो मर्यादाओं का पालन करा सके। लोकायुक्त जैसी संस्था मेरिट के आधार पर शिकायतों का समाधान निकालकर लोक सेवकों को जनता के प्रति जवाबदेही का अहसास कराती है। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को उत्तर प्रदेश लोकायुक्त संगठन के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने संगठन की 50 वर्ष की यात्रा के लिए बधाई देते हुए कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत संवैधानिक संस्थाओं में सामान्य नागरिक का विश्वास है। गुड गवर्नेंस पब्लिक ट्रस्ट पर निर्भर करता है। जनता का विश्वास नहीं है तो सुशासन के लक्ष्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता। अंतिम पायदान पर बैठा व्यक्ति भी संवैधानिक संस्थाओं के प्रति विश्वास और गौरव की अनुभूति करे, यही लोकतंत्र की कसौटी है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि केवल संस्था का गठन करने से समस्या का समाधान नहीं होता। सामान्य व्यक्ति बेझिझक अपनी समस्या लेकर आए और नियमानुसार उसका समयबद्ध समाधान अपनी आंखों के सामने देख सके। शिकायतकर्ता की जाति, मत या संप्रदाय देखे बिना मेरिट के आधार पर समाधान होना चाहिए। साथ ही शिकायत की व्यवस्था का दुरुपयोग करने वालों पर भी शिकंजा कसना होगा। झूठी और बेवजह शिकायतें सिस्टम का समय खराब करने के साथ वास्तविक पीड़ित के न्याय का समय भी नष्ट करती हैं।

योगी ने तकनीक से आए बदलाव का उदाहरण देते हुए कहा कि 2017 में मुख्यमंत्री बनने के बाद जनता दर्शन में आने वाली शिकायतों में करीब 60 फीसदी सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़ी होती थीं। ई-पॉस मशीनें लगाने और प्रदेश की करीब 80 हजार उचित दर की दुकानों को तकनीक से जोड़ने के बाद हेराफेरी की गुंजाइश समाप्त हुई है। आज 16 करोड़ लोगों को राशन मिल रहा है और पीडीएस से जुड़ी शिकायतें लगभग शून्य हो गई हैं।

राजस्व विभाग का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 में भूमि विवाद, पैमाइश, वरासत और नामांतरण से जुड़े 34 लाख मामले लंबित थे।

मनोरंजन.....

गणेश उत्सव पर सेलेब्स के घर गूंजा 'गणपति बप्पा मोरया' दिव्या दत्ता ने बनाया हलवे का भोग

मुंबई। गणेश चतुर्थी के अवसर पर ढोल-नगाड़ों के साथ बप्पा को अपने घर में लेकर आ रहे हैं। आम लोगों की तरह मनोरंजन जगत के सेलेब्स गणपति बाप्पा को अपने घर लाए। सरवरी वाघ, दिव्या दत्ता और अर्जुन बिजलानी समेत कई सेलेब्स ने बप्पा का स्वागत किया और अपनी खुशी जाहिर की। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने परिवार संग अपने घर पर गजानन का स्वागत किया। पूजा सम्पन्न करने के बाद अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बप्पा के आगमन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि बप्पा से कुछ भी मांगने की जरूरत नहीं है। क्योंकि वे अच्छे से जानते हैं कि कौन से घर में किस चीज की आवश्यकता है। बप्पा ने इस साल मुझे बहुत सारे प्रोजेक्ट दिए हैं, जिसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूं। जिंदगी में कभी-कभी ऐसे मौके होते हैं, जहां आपको बप्पा की जरूरत होती है और वे आपका साथ देते हैं। बस आपको इरादा अच्छा होना चाहिए।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने बप्पा को मीठे का भोग चढ़ाने के लिए 'हलवा' बनाया है। उन्होंने कहा, 'पहले मेरी नानी बनाती भोग में हलवा बनाती थी, फिर मम्मी और अब मैं बनाती आ रही हूं। उसके साथ आलू पूरी, मोदक और भी कई तरह की मिठाइयां होती हैं, जिनका भोग लगाया जाता है। वहीं, अर्जुन बिजलानी ने भी अपने घर पर बप्पा का स्वागत किया। उन्होंने आईएएनएस के साथ बातचीत में अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह त्योहार उनके दिल के बेहद करीब रहा है। उन्होंने कहा, 'बप्पा को घर लाने और परिवार के साथ मिलकर आरती करने का रिवाज मेरे दिल के बहुत करीब रहा है। सभी का एक साथ आना, अपनी बिजी जिंदगी से कुछ पल निकालकर साथ में प्रार्थना करना बहुत खास एहसास होता है। आज भी, मेरा शेड्यूल कितना भी हेक्टिक क्यों न हो, मैं पक्का करता हूं कि मैं सेलिब्रेशन के लिए वहां रहूं। उन्होंने आगे कहा, 'हम हर साल बप्पा को घर लाते हैं और पूरी खुशी और जोश के साथ सेलिब्रेट करते हैं। मेरे और मेरे परिवार के लिए, ये दिन बहुत सारी पॉजिटिविटी, आरती, फैमिली टाइम, खाने और बेशक, बप्पा के लिए ढेर सारे प्यार से भरे होते हैं। इतने सालों में गणपति मनाने की अपनी यादों को याद करते हुए, अर्जुन ने कहा, 'इतने सालों में बप्पा के साथ मेरी बहुत सारी खूबसूरत यादें हैं। हर साल, सेलिब्रेशन एक नई याद बनाता है, लेकिन फीलिंग वही रहती है, पक्की खुशी, शुक्रिया और बप्पा के लिए प्यार। अभिनेत्री शरवरी वाघ ने भी अपने परिवार के साथ त्योहार के जश्न की झलक सोशल मीडिया पर शेयर कर इस त्योहार के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बहन और परिवार संग कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसक साथ उन्होंने लिखा, 'गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया। आप सभी को गणेश चतुर्थी की हार्दिक शुभकामनाएं। मेरे लिए यहीं से साल की शुरुआत और अंत होता है।

श्रावस्ती का विभूतिनाथ धाम 'बोल बम' से गूंजा

कजरी तीज पर उमड़ा शिवभक्तों का सैलाब

अमृत उजाला संवाददाता

श्रावस्ती। श्रावस्ती के सिरसिया स्थित पांडवकालीन बाबा विभूतिनाथ मंदिर में कजरी तीज के मौके पर सुबह से ही शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। मंदिर परिसर और आसपास का इलाका 'बोल बम' और 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा।

बड़ी संख्या में पहुंचे कांवड़ियों और श्रद्धालुओं ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह सवेरे से ही मंदिर में श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन चढ़ा, मंदिर परिसर में भक्तों की भीड़ बढ़ती गई। शिवभक्त कतारों में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा। श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट रहा। श्रावस्ती के पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी सुबह बाबा विभूतिनाथ मंदिर पहुंचे। उन्होंने भगवान शिव का जलाभिषेक किया और इसके बाद मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मंदिर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा के लिए महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सिविल ड्रेस में भी पुलिसकर्मी लगातार निगरानी कर रहे हैं। वहीं, सीसीटीवी कैमरों के जरिए मंदिर परिसर और आसपास की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने के साथ श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रख रहे हैं। मंदिर परिसर में किसी तरह की अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिस की टीमें लगातार सक्रिय हैं। कजरी तीज के मौके पर विभूतिनाथ धाम में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और गूंजते 'हर-हर महादेव' के जयकारों से पूरा माहौल शिवमय नजर आया।

श्रावस्ती में न्यायालय कर्मचारियों ने उठाई आवाज, विधायक को सौंपा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

श्रावस्ती। श्रावस्ती में दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ ने अपनी लंबित सेवा संबंधी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की है। संघ के जिला शाखा अध्यक्ष कौशल किशोर शुक्ला की अध्यक्षता में न्यायालय कर्मचारियों ने सदर विधायक इंद्राणी कैराती को मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कर्मचारियों ने वर्ष 2021-22 से लंबित सेवा नियमावली में संशोधन को जल्द लागू करने की मांग की। इसके साथ ही संविदा कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी और उनका नियमितीकरण किए जाने की मांग भी उठाई गई। कर्मचारियों ने लोप हो चुके वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद को दोबारा सृजित करने की मांग रखी। वहीं, लिमिटेड कर्मियों को राजपत्रित अधिकारी जैसी प्रतिष्ठा प्रदान करने और मकान किराया भत्ते की दरों में पुनरीक्षण किए जाने का भी अनुरोध किया गया।

हर पीड़ित की समस्या का समाधान करा रही सरकार: सीएम योगी

अमृत उजाला संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को 'जनता दर्शन' में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पीड़ितों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता और शीघ्रता से किया जाए। उन्होंने हर पात्र व्यक्ति को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था करने और जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री 'जनता दर्शन' में कुर्सियों पर बैठे हर पीड़ित के पास खुद चलकर गए। उनकी समस्याओं व शिकायतों को ध्यान से सुना। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि हर पीड़ित की उचित समस्या का समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ के समक्ष कुछ पीड़ितों ने पुलिस से जुड़ी अलग-अलग शिकायतें बताईं। इस पर सीएम सख्त हो गए। उन्होंने कहा कि पुलिस आयुक्त, एडीजी, आईजी, डीआईजी, एसएसपी स्तर के अधिकारी ध्यान दें, किसी भी मामले में थाना, चौकी, बीट स्तर पर हीलाहवाली की शिकायत बर्दाश्त नहीं होगी। हर मामले में दोषियों पर नियमसंगत कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री योगी ने राजस्व और कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए।

बरेली में फर्जी दवा गिरोह का खुलासा, 3 दिन में शुगर खत्म करने का देते थे झांसा

अमृत उजाला संवाददाता

बरेली। डायबिटीज के मरीजों को बीमारी से जल्द छुटकारा दिलाने का लालच देकर कथित तौर पर ठगी करने वाले एक गिरोह का बरेली पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। बारादरी थाना पुलिस ने सैलानी इलाके में कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि आरोपी बिना जरूरी लाइसेंस के कथित आयुर्वेदिक दवाओं की ऑनलाइन बिक्री कर रहे थे और सोशल मीडिया के जरिए लोगों को गुमराह किया जाता था। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान साजिद मलिक, इस्लाम और मोहम्मद जफर के तौर पर हुई है। तलाशी के दौरान इनके पास से 14 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप, चार्जर और 75 दवाएं बरामद की गईं। इसके अलावा पुलिस को कथित फर्जी बिल, शिपिंग लेबल और ऑनलाइन बिक्री से जुड़ा डिजिटल रिकॉर्ड भी मिला है। जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी फेसबुक और इंस्टाग्राम सहित विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर डायबिटीज को लेकर विज्ञापन प्रसारित करते थे। इनमें महज तीन दिन में शुगर की समस्या पूरी तरह खत्म करने जैसे दावे किए जाते थे। विज्ञापन देखने के बाद जब कोई व्यक्ति दिए गए नंबर पर संपर्क करता था तो गिरोह के सदस्य फोन पर उससे बात कर दवा का ऑर्डर लेते थे। इसके बाद कथित कंपनी के नाम से बिल तैयार किया जाता और उत्पाद को कूरियर के जरिए कैश ऑन डिलीवरी के माध्यम से भेज दिया जाता था। पुलिस के अनुसार, इस पूरे काम के लिए आरोपियों ने एक कॉल सेंटर जैसी व्यवस्था भी बना रखी थी। यहां से संभावित ग्राहकों को फोन करके उत्पादों के बारे में जानकारी दी जाती और उन्हें दवा खरीदने के लिए तैयार किया जाता था।

कई उत्पाद पुलिस ने किए बरामद

पुलिस ने आरोपियों के ठिकाने से डायबो डायबिटिक पाउडर और ब्रह्म शुगर केयर समेत कई कथित आयुर्वेदिक उत्पाद बरामद किए हैं। पुलिस अब इन उत्पादों की वैधता, उनकी बिक्री से जुड़े दस्तावेज और इनके निर्माण व सप्लाई नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

लखीमपुर-खीरी में दो बाइकों की टक्कर, अधेड़ की मौत

गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

अमृत उजाला संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी के मेहवागंज चौकी क्षेत्र में सोमवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में 50 वर्षीय रमेश तिवारी की मौत हो गई। हादसा मेहवागंज के पास हुआ, जहां टक्कर के बाद रमेश सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने उन्हें एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रमेश रविवार को पहाड़ापुर में एक बाबा के पास दवा लेने गए थे। वहां से बाइक से घर लौटते समय हादसा हो गया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गड़ौसा ग्राम पंचायत के उधना गांव निवासी रमेश तिवारी (50) रविवार को पहाड़ापुर गए थे। जानकारी के मुताबिक, वह वहां एक बाबा के पास दवा लेने गए थे। शाम करीब चार बजे बाइक से वापस अपने घर लौट रहे थे।रमेश मेहवागंज के पास पहुंचे ही थे कि सामने से आ रही दूसरी बाइक से उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि रमेश बाइक से उछलकर सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही मेहवागंज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायल रमेश को जिला अस्पताल भेजा। वहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना की जानकारी रमेश के परिजनों को दी। सूचना मिलते ही परिवार के लोग अस्पताल पहुंच गए। शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सुबह पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया

रमेश की मौत के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। सोमवार सुबह पुलिस ने पंचनामा भरने की कार्रवाई पूरी की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिवार में हादसे के बाद मातम पसरा है। अचानक हुई मौत से परिजन सदमे में हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि रमेश के साथ यह हादसा कैसे हो गया। पुलिस हादसे की परिस्थितियों की जांच कर रही है। साथ ही सामने से आ रही बाइक और उसके सवार के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में विवेचना लगभग पूरी

- दो और नाम जुड़ने की तैयारी,22 सितंबर से पहले दाखिल हो सकती है चार्जशीट

अमृत उजाला संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की पुलिस जांच अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। 25 जून को रामजन्मभूमि थाने में दर्ज केस की 90 दिन की कानूनी अवधि 22 सितंबर को पूरी हो रही है। इससे पहले पुलिस ने जांच लगभग पूरी कर ली है। सूत्रों के मुताबिक विवेचना में दो और लोगों की भूमिका सामने आई है। दोनों की भूमिका की जांच पूरी की जा चुकी है। अब उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चार्जशीट में नाम शामिल करने की तैयारी है। पुलिस ने चढ़ावे की गिनती में शामिल रहे पूर्व कर्मचारियों से भी पूछताछ की। इसी दौरान दो ऐसे नाम सामने आए, जिनकी भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। सूत्रों के अनुसार इनमें ट्रस्ट के किसी पूर्व पदाधिकारी या कर्मचारी का नाम हो सकता है। बैंक से जुड़े लोगों की भूमिका को लेकर भी जांच की गई है। विवेचक ने दोनों संदिग्धों की भूमिका की दस्तावेज और बयानों के आधार पर जांच की है। हालांकि पुलिस ने अभी दोनों के नामों की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। राम मंदिर में चढ़ावे की गिनती में कथित गड़बड़ी और चोरी का मामला 5 जून को सामने आया था। शासन ने जांच के लिए एसआईटी गठित की थी। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर ट्रस्ट सदस्य कृष्ण मोहन की तहरीर पर 25 जून को रामजन्मभूमि थाने में 8 लोगों के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज किया गया था।

देवीगंज में भाजपा ने सभी बूथों का सत्यापन किया पूरा

बाराबंकी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मंडल देवीगंज में बूथ सत्यापन का काम पूरा हो गया है। संगठन के निर्देश पर पिछले एक सप्ताह से चल रहे इस अभियान के बाद संबंधित प्रपत्र जिला कार्यालय में जमा कर दिए गए हैं। सोमवार को भाजपा मंडल देवीगंज के अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र ने दैनिक भास्कर को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंडल में कुल 12 शक्ति केंद्र और 83 बूथ हैं। पार्टी संगठन के निर्देश पर सभी बूथों की कार्यकारिणी का सत्यापन किया गया।

अमृत उजाला ई-पेपर
amritujala.com
का डिजिटल प्रकाशन है
प्रधान संपादक
डॉ.अखंड प्रताप सिंह
कार्यकारी संपादक
सुषमा पांडेय
सम्पर्क
editor@amritujala.com
अमृत उजाला न्यूज नेटवर्क
328 एक्सपिरियो बिल्डिंग,
विभूति खंड, गोमती नगर,
लखनऊ - 226010